हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 10 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार, 19 अगस्त से 25 अगस्त 2022

कांदिवली रहा देश भक्ति के नारों से सरोबर अंजुमन-ए-नजमी, कांदिवली के देशभक्त - दाऊदी बोहरा

मुंबईः हुब्बुल वतन मीनल इमान पैगंबर मोहम्मद साहब (S.A.W) की एक पवित्र शिक्षा जिसका अर्थ है अपनी मातृभूमि से प्यार करना विश्वास का एक हिस्सा है,पूरे देश में इस साल आझादी का अमृतमहोत्सव 15 ऑगस्ट काफी उत्साह के साथ मनाया गया हर कोई देशभक्ति से सरोबर रहा हर घर तिरंगा अभियान के तहत कांदिवली मुंबई में भी हर घर से लेकर मस्जिद व मदरसों में तिरंगा लहराकर आझादी का जश्न मनाया दाऊदी बोहराओं के आध्यात्मिक नेता डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब (टी.यू.एस) के ऊपर के गुण ने हमेशा समुदाय को अपने शहर और देश के प्रति देशभक्त होने का उपदेश दिया है। स्वतंत्रता दिवस पर कांदिवली दाऊदी बोहरा जमात द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपरोक्त शिक्षाएं और सिद्धांत स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे थे। इस वर्ष हमारी 75वीं स्वतंत्रत दिवस उस समय के साथ हुई है,जब मुस्लिम समुदाय पैगंबर के पोते इमाम हुसैन (ए.ए.स) की शहादत और बलिदान का शोक मना रहा है. पूरा समुदाय हमारे देश की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना कर रहा है। कांदिवली बोहरा जमात के प्रधान शेख मोइज भाई वजीही और कांदिवली पश्चिम पुलिस वरिष्ठ निरीक्षक श्री दिनकर जाधव जी के हाथों से झंडा फहराया गया । श्री मुस्तफा भाई गोम, जमात के सचिव के साथ जमात के लोग और कांदिवली पुलिस टीम इस मौके पर उपस्थित थे. सैफी एम्बुलेंस स्काउट द्वारा पारंपरिक सलामी और राष्ट्रगान बजाया गया, इस साल के 75वा स्वतंत्रत दिवस के अवसर पर सभी मनुष्यों का जन्मसिद्ध अधिकार है, करीब दो सौ साल की गुलामी के बाद ,1947 में जब भारत आजाद हुआ था, उस दौरान कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की आहुति दी थी.

इन्ही वीरो की याद करते हुए हम स्वतंत्रत दिवस मनाते हैं. पूरे कार्यक्रम का आयोजन स्वच्छता और सामाजिक दूरी के दिशानिदेर्शों को सख्ती से बनाए रखने के साथ किया गया था। उन्होने कहा स्वतंत्रत दिवस एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमारे दिलों को गर्व और खुशी से भर देता है,उन्होंने यह भी कहा, परम पावन डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब (टी.यू.एस) हुब्बुल वतन जो देश के लिए देशभक्त की शिक्षाएं हमेशा अपने बोहरा समाज को देते रहते हैं. कांदिवली जमात हमेशा देश भक्त और ऐसे कई कार्यक्रम करने के लिए उत्सुक रहती हैं, इस लिए यह साल भी शुभ और गम पाख महिना मुहर्रम के दौरान कांदिवली मुंबई के दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने मस्जिद परिसर में भारत का 75वां स्वतंत्रत दिवस मनाया था.

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA classes available

Session 5 days a week

Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.

YOGA BY ZAINAB
70213 01200

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com

Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Mental health matters.

Whats App: +91 720421116

* I don't prescribe medicines

INDIVIDUAL COUNSELING

TEEN COUNSELING

COUPLES/MARRIAGE COUNSELING

Dr Vihan Sanyal
PSYCHOTHERAPIST

WWW.MINDFACTORY.CO.IN

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says
"MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW
+919819921673, +919769071673
www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com
Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

महाराष्ट्र सरकार की प्रदेश के लोगों से अपील, कहा- आजादी के 75 साल पूरे होने पर आज 11 बजे करें सामूहिक राष्ट्रगान

मुंबईः आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी लोगों से राष्ट्रगान गाने की अपील की है। सरकार के पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय के ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि स्वतंत्रता के अमृतमहोत्सव के अंतर्गत बुधवार, 17 अगस्त को स्वराज्य महोत्सव मनाने का फैसला किया गया है। इसके तहत पूरे राज्य में बुधवार को सुबह ठीक 11 बजे सभी सरकारी कार्यालयों और सरकारी-गैरसरकारी स्कूल-कॉलेजों में एक साथ राष्ट्रगान ह्यजन-गण-मनह्ल का गायन किया जाएगा। यह आदेश विभाग के सचिव सौरभ विजय की ओर से जारी किया गया है।साथ ही आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रगान का गायन 11 बजे से 11बजकर 01मिनट बीच पूरा हो जाना चाहिए। वहीं, पिछले सप्ताह जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया था कि राज्य सरकार के सभी विभागों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए भागीदारी अनिवार्य है। साथ ही राज्य के लोगों से भी गायन में शामिल होने के लिए कहा गया है। आदेश में कहा गया है कि यह प्रक्रिया केंद्र सरकार के स्वराज महोत्सव का हिस्सा है। महाराष्ट्र सरकार के आदेश के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया गया है कि निजी प्रतिष्ठानों और व्यापारियों के साथ केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले अन्य सरकारी विभागों को भी इसमें भाग लेने के लिए कहा गया है। साथ ही छात्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे राष्ट्रगान गाने के लिए खुले मैदान में इकट्ठा हों। आपको बता दें, आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर केंद्र सरकार ने कई खास आयोजन किए। इसमें हर घर तिरंगा भी एक सफल अभियान रहा है। इस अभियान के तहत सरकार ने देश के करीब 20 करोड़ घरों पर 13 से 15 अगस्त के बीच तिरंगा फहराने की अपील की थी। देश के आम लोगों समेत राजनेताओं और अभिनेताओं ने बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लिया।

शिंदे गुट के विधायक की उद्धव गुट को धमकी

समर्थकों से कहा- यदि कोई तुमसे दादागीरी करे तो तुम उसके पैर तोड़ दो

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के दोफाड़ होने के बाद दोनों गुटों में तनाव बढ़ता जा रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के एक विधायक ने अपने समर्थकों से कहा है कि यदि कोई तुमसे दादागीरी करे, तो तुम भी उसके पैर तोड़ दो। जमानत कराने के लिए हम बैठे हैं। बता दें कि शिवसेना के दो तिहाई से ज्यादा विधायक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ जा चुके हैं, और वे अपने गुट को ही असली शिवसेना कहने लगे हैं। यह बात शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट को बर्दाश्त नहीं हो रही है।उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे पूरे महाराष्ट्र में, खासतौर से बगावत करनेवाले विधायकों के क्षेत्र में जा-जाकर रैलियां कर रहे हैं, और बागियों को गद्दार एवं गंदे नाले का कीड़ा कहकर संबोधित कर रहे हैं। अब उनकी इन बातों से बागियों में भी चिढ़ पैदा होने लगी है। कई स्थानों पर बागी विधायक अपने समर्थकों के साथ बड़ी-बड़ी रैलियां निकालकर जवाब दे रहे हैं, तो कुछ बयान का जवाब बयान से देने लगे हैं।इसी क्रम में शिंदे गुट के एक विधायक प्रकाश सुर्वे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने समर्थकों से कहते सुनाई दे रहे हैं कि कोई तुम्हे अरे कह कर बात करे, तो तुम उसे का हे कहना। किसी भी दादागीरी सहन नहीं की जाएगी। उन्हें ठोक दो। हाथ न तोड़ सको, तो पैर तोड़ दो। जमानत करवाने के लिए मैं बैठा हूं। सुर्वे के इस बयान के बाद उद्धव ठाकरे गुट ने दहिसर पुलिस स्टेशन में सुर्वे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दहिसर पुलिस का कहना है कि उन्हें विधायक के खिलाफ शिकायत मिली है। वह फिलहाल वीडियो की जांच कर रहे हैं।

एकनाथ शिंदे के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने दी सफाई, कहा- फोन पर वंदे मातरम कहना अनिवार्य नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य एवं वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र में अधिकारियों के लिए फोन पर ह्यवंदेमातरम कहना अनिवार्य नहीं होगा। मुनगंटीवार ने यह स्पष्टीकरण उनके द्वारा दिए गए एक आदेश पर विवाद खड़ा हो जाने के बाद दिया है। मुनगंटीवार ने मंगलवार को एक टेलीविजन चैनल से बात करते हुए कहा कि फोन पर वंदेमातरम कहना अनिवार्य नहीं है। देशभक्ति प्रदर्शित करनेवाला वंदेमातरम के समकक्ष कोई भी शब्द हैलो के स्थान पर कहा जा सकता है।मुनगंटीवार के अनुसार 15 अगस्त से 26 जनवरी, 2023 तक हैलो के स्थान पर वंदेमातरम कहना महाराष्ट्र के सांस्कृतिक विभाग का एक अभियान है।

किसी संगठन या किसी व्यक्ति को इसके विरोध का पूरा अधिकार है। बता दें कि 14 अगस्त को सांस्कृतिक मंत्रालय का कार्यभार संभालते ही सुधीर मुनगंटीवार ने आदेश जारी कर दिया था

उद्योगपति मुकेश अंबानी को धमकी देने वाला 20 अगस्त तक हिरासत में, हर एंगल की जांच करेगी मुंबई पुलिस

मुंबई। रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी को तीन घंटे में खत्म करने की धमकी देनेवाले विष्णु विदु भौमिक को अतिरिक्त मुख्य महानगरीय दंडाधिकारी ने 20 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। भौमिक ने सोमवार को हरकिशनदास रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में फोन करके मुकेश अंबानी एवं उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी।पुलिस ने सोमवार को ही पेशे से आभूषण व्यवसायी 56 वर्षीय भौमिक को गिरफ्तार कर लिया था। मंगलवार को उसे अवकाशकालीन अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने अदालत को बताया कि आरोपित आदतन अपराधी प्रतीत होता है। उससे इसलिए पूछताछ करनी जरूरी है कि इस मामले में कहीं कोई और तो शामिल नहीं है। पुलिस ने अदालत को बताया कि विष्णु भौमिक ने सोमवार को सुबह 10.30 बजे हरकिशनदास रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में एक ही फोन से नौ फोन किए और मुकेश अंबानी एवं उनके परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी।

अस्पताल प्रशासन द्वारा इस बात की सूचना डी.बी.मार्ग पुलिस को दिए जाने के बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा 506 (2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी और विष्णु भौमिक को गिरफ्तार कर लिया गया था। आज भौमिक को पुलिस हिरासत में भेजे जाने का विरोध करते हुए उसके वकील विजय कुमार माने ने कहा कि उनका मुवक्किल सीधे इस मामले से संबद्ध नहीं है। उसने एक निजी अस्पताल को फोन किया था, न कि मुकेश अंबानी को।वकील ने अदालत से कहा कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। इसके लिए अस्पताल का 2021 में प्रमाण पत्र दिया गया है। उसका किसी आतंकी संगठन से कोई संबंध नहीं है और उसने मुकेश अंबानी को सीधे तौर पर धमकी नहीं दी है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नंबर पर कॉल किया।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

कुर्सी के लिए सुशासन बाबू ने लिया पलटासन का सहारा

नीतिश कुमार 2004 में पहली बार बिहार की जदयू और भाजपा की गठबन्धन सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। तब वे पूर्ववर्ती राजद सरकार के कार्यकाल में पनपे अकूत भ्रष्टाचार और निरंकुश समाज विरोधी तत्वों पर अंकुश लगाकर राज्य की जनता की नजरों में सुशासन बाबू बन गए थे लेकिन समय बीतने के साथ ही सत्ता में बने रहने के लिए उन्होंने सुशासन बाबू के रूप में अर्जित अपनी सारी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया। नैतिकता और सिद्धांत आज उनके लिए कोई मायने नहीं रखते। नीतिश कुमार ने आज एक बार फिर उसी राजद से हाथ मिला लिया है जिसके शासन काल को कभी वे खुद जंगल राज कहा करते थे।यह निःसंदेह आश्चर्यजनक है कि नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड की सीटें भाजपा से कम होने के बावजूद उन्हें मुख्यमंत्री पद का जो गौरव मिला वह भी उनके अहं को संतुष्ट नहीं कर सका। यहां यह उल्लेख करना गलत नहीं होगा कि 2013 में जब भाजपा ने नरेंद्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता के आधार पर उन्हें तत्कालीन चुनावों में भावी प्रधानमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट करने का फैसला किया था तब भी उस फैसले से नाराज होकर उन्होंने राजग से 17 साल पुराना रिश्ता एक झटके में तोड़ दिया था जिसकी असली वजह नीतिश कुमार की अपनी महत्त्वाकांक्षा थी। नीतिश कुमार ने उसके बाद लालू प्रसाद यादव के साथ समझौता कर लिया।लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ अपनी पार्टी का गठजोड़ कर नीतिश कुमार ने विधानसभा चुनाव लडा था और राजद की सीटें जदयू से अधिक होने के बावजूद उस गठबंधन सरकार में उनकी वरिष्ठता के कारण पुनः उन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला। परंतु कुछ ही समय पश्चात उन्होंने राजद का साथ छोड़ कर एक बार फिर भाजपा से हाथ मिला लिया। गौरतलब है कि उस समय लालू यादव ने अपने इस पुराने दोस्त को पलटूराम कह कर तंज कसा था परंतु राजनीति में दोस्ती या दुश्मनी कभी स्थाई नहीं होती। लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव और नीतिश कुमार मिलकर अब नयी सरकार की रूपरेखा तय कर रहे हैं। उन्हें कांग्रेस और मार्क्सवादी मोर्चा सहित कुल 7 राजनीतिक दलों ने समर्थन दे दिया है।

कल तक सत्ता का हिस्सा रही भाजपा राज्य विधानसभा के अंदर अब विपक्षी दल की भूमिका में होगी। भाजपा नीतिश के इस कदम को जनादेश का अपमान और जनता से विश्वासघात बता रही है । भाजपा ने नीतिश को याद दिलाया है कि भाजपा ने ही उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाया लेकिन वे भाजपा को धोखा देने में कोई संकोच नहीं किया। उधर नीतिश कुमार ने भाजपा से जदयू के संबंध विच्छेद के लिए भाजपा को ही जिम्मेदार ठहराते हुए यह आरोप लगाया है कि भाजपा पिछले काफी समय से उन्हें न केवल अपमानित कर रही थी बल्कि जदयू को कमजोर करने की साज़िश भी कर रही थी। हाल में ही नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में नीतिश कुमार की अनुपस्थिति को भाजपा से उनकी बढ़ती दूरी का संकेत माना जा रहा था। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के शपथग्रहण समारोह में भी नीतिश कुमार शामिल नहीं हुए थे। अभी कुछ दिन पहले ही जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह को पिछले दस सालों में उनके द्वारा अर्जित संपत्ति के मामले में जो कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था उसकी मुख्य वजह रामचंद्र प्रसाद सिंह की भाजपा से बढ़ती निकटता को माना जा रहा है।

इस देश में अच्छे लोग बहुत मिलेंगे

आपको विदित होगा कि वह (भारत की जनसंख्या) रूस रहित समस्त यूरोप की जनसंख्या से अधिक है। यह जनसंख्या 31 करोड़, 90 लाख है और रूस रहित यूरोप की जनसंख्या 31 करोड़, 70 लाख है। एक एकात्मक सरकार के अधीन आना तो दूर रहा, यूरोप के देश कभी संगठित तक नहीं हो पाए हैं या एक संयुक्त मंडल तक नहीं बना पाए हैं। यहां जनसंख्या और देश के इतने बड़े आकार के होते हुए भी हम एक ऐसा संविधान बनाने में सफल हुए हैं, जिसके अंतर्गत सारा देश और सारी जनसंख्या आ जाती है। आकार के अतिरिक्त और भी कठिनाइयां थीं। ...हमारे यहां देश में कई संप्रदाय रहते हैं। हमारे यहां देश के भिन्न-भिन्न भागों में कई भाषाएं प्रचलित हैं।

हमारे यहां और भी अन्य प्रकार की भिन्नताएं हैं, जो भिन्न-भिन्न भागों में मनुष्यों को परस्पर विभाजित करती हैं।...

सबसे पहला और अति स्पष्ट तथ्य जो किसी भी पर्यवेक्षक का ध्यान आकर्षित करेगा, वह यह है कि हम एक गणराज्य बना रहे हैं। भारत में प्राचीन काल में गणराज्य थे, पर यह व्यवस्था 2000 वर्ष पूर्व थी, इससे भी अधिक समय पूर्व थी, और वे गणराज्य बहुत छोटे-छोटे थे। जिस गणराज्य की हम अब स्थापना कर रहे हैं, उसके जैसा गणराज्य हमारे यहां कभी नहीं था, यद्यपि उन दिनों में भी और मुगलकाल में ऐसे साम्राज्य थे, जो देश के विशाल भागों पर छाए हुए थे। इस गणराज्य का एक निर्वाचित राष्ट्रपति होगा। हमारे यहां ऐसे बड़े राज्य का निर्वाचित मुखिया कभी नहीं हुआ, जिसके अंतर्गत भारत का इतना बड़ा क्षेत्र आ जाता है और यह प्रथम बार ही हुआ है कि देश के तुच्छ से तुच्छ और निम्न से निम्न नागरिक को भी यह अधिकार मिल गया है कि वह इस महान राज्य के राष्ट्रपति या मुखिया के योग्य हो और बने, जो आज संसार के विशालतम राज्यों में गिना जाता है। यह कोई छोटा विषय नहीं है।... मैं एक ग्रामीण व्यक्ति हूं और यद्यपि अपने कार्य के कारण मुझे बहुत अधिक समय तक नगरों में रहना पड़ा है, परंतु मेरी जड़ अब भी यहीं है। अतः मैं उन ग्रामीण व्यक्तियों से परिचित हूं, जो इस महान निर्वाचक मंडल का एक बड़ा भाग होंगे। ...वे साक्षर नहीं हैं और पढ़ने-लिखने का मंत्रवत कौशल उनमें नहीं है, पर इस बात में मुझे रंचमात्र भी संदेह नहीं है कि यदि उनको वस्तुस्थिति समझा दी जाए, तो वे अपने हित तथा देश के हित के लिए उपक्रम कर सकते हैं।...

देश का कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा, जो देश पर प्रशासन करेंगे। यह एक पुरानी कहावत है कि देश जैसी सरकार के योग्य होता है, वैसी ही सरकार उसे प्राप्त होती है। ...जिन व्यक्तियों का चुनाव किया जाता है, यदि वे योग्य, चरित्रवान और ईमानदार हैं, तो वे एक दोषपूर्ण संविधान को भी सर्वोत्तम संविधान बना सकेंगे। यदि उनमें इन गुणों का अभाव होगा, तो यह संविधान देश की सहायता नहीं कर सकेगा। आखिर संविधान एक यंत्र के समान निष्प्राण वस्तु ही तो है। उसके प्राण तो वे लोग हैं, जो उस पर नियंत्रण रखते हैं और उसका प्रवर्तन करते हैं और हमारे देश को आज ऐसे ईमानदार लोगों के वर्ग से अधिक किसी अन्य वस्तु की आवश्यकता नहीं है, जो अपने सामने देश के हित को रखें।

इस बात में मुझे संदेह नहीं है कि जब देश को चरित्रवान व्यक्तियों की आवश्यकता होगी, तब ऐसे व्यक्ति मिलेंगे और जनता ऐसे व्यक्तियों को पैदा करेगी।

जो लोग पहले से सेवा करते चले आ रहे हैं, वे यह कहकर अपनी पतवार न डाल दें कि वे अपना सेवा कार्य समाप्त कर चुके हैं...

। मैं समझता हूं कि भारतवर्ष में आज जो कार्य हमारे सन्मुख है, वह उस कार्य से भी अधिक कठिन है, जो उस समय हमारे सन्मुख था, जब हम संघर्ष में लगे हुए थे।

उस समय हमारे सामने ऐसी कोई विरोधी मांगें नहीं थीं, जिनमें परस्पर मेल बिठाना हो, दाल-रोटी का प्रश्न नहीं था और शक्तियों को बांटने की बात नहीं थी। इस समय हमारे सामने ये सब बातें हैं और बड़े-बड़े प्रलोभन भी हैं। ईश्वर करे, इन प्रलोभनों से ऊपर उठने और उस देश की सेवा करने की, जिसको हमने आजाद किया है, बुद्धि और शक्ति हममें हो।अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए जिन साधनों को अपनाना होता है, उनकी पवित्रता पर महात्मा गांधी ने जोर दिया था। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह शिक्षा चिरस्थायी है और यह केवल संघर्ष काल के लिए नहीं थी, वरन आज भी इसका उतना ही प्राधिकार तथा मूल्य है, जितना पहले था। यदि कोई काम गलत हो जाता है, तो हमारी यह प्रवृत्ति है कि हम दूसरों को दोष देते हैं, परंतु अंतरपरीक्षण कर यह देखने का प्रयास नहीं करते कि हमारा दोष है या नहीं? यदि कोई व्यक्ति अपने कर्मों और उद्देश्यों का विवेचन करना चाहे, तो दूसरों के कर्मों और उद्देश्यों को सही-सही जानने की अपेक्षा अपने कर्मों और उद्देश्यों का विवेचन करना बहुत सरल है।

मैं तो यही आशा करूंगा कि वे सब लोग, जिनको भविष्य में इस संविधान को कार्यान्वित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा, यह याद रखेंगे कि वह एक असाधारण विजय थी, जिसको हमने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा सिखाई गई अनोखी रीति से प्राप्त किया था और जो स्वाधीनता हमने प्राप्त की है, उसकी रक्षा करना, उसे बनाए रखना एवं जन-साधारण के लिए उसको उपयोगी बनाना उन पर ही निर्भर करता है। विश्वासपूर्वक सत्य तथा अहिंसा के आधार पर और सबसे अधिक यह कि हृदय में साहस धारण कर और ईश्वर में विश्वास कर हम अपने स्वाधीन गणराज्य के संचालन करने के इस नए कार्य में संलग्न हों।

CM योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को दी चेतावनी

विकास परियोजनाओं में स्वीकार नहीं देरी, मुख्य सचिव से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के विकास परियोजनाओं में देरी पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य है। गड़बड़ी, भ्रष्टाचार या फिर अनावश्यक लेटलतीफी मिली तो संबंधित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र से सभी 18 मंडलों में संचालित महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा है। शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव वित्त को बीते पांच माह में विभागों को जारी परियोजनावार बजट, अब तक खर्च का विवरण एवं अवशेष राशि के संबंध में विस्तृत

रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैंअगले सप्ताह फिर मुख्यमंत्री परियोजनावार कार्यों की समीक्षा करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि विकास परियोजनाओं में देरी से न केवल जनता का धन बर्बाद होता है बल्कि जनहित भी प्रभावित होता है। ऐसे में परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि परियोजना के लिए तय नियमों के अनुरूप धनराशि का आवंटन किया जाता रहे। विकास कार्यों के लिए धन का कोई अभाव नहीं है। इस संबंध में वित्त विभाग तथा मुख्यमंत्री कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्था के चयन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित कराया जाए कि विकास परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार करने वाली संस्था परियोजना के निर्माण आदि के लिए होने वाली टेंडर प्रक्रिया में भाग नहीं ले। गाजियाबाद अंतर्गत नगर पालिका लोनी में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट को प्रत्येक दशा में 15 सितंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए।गाजियाबाद में मंडौला विहार में प्रस्तावित 60 मीटर मास्टर प्लान रोड पर राज्य मार्ग 57 (दिल्ली-सहारनपुर राज्य मार्ग) को पार करने के लिए चार लेन उपरिगामी सेतु के प्रोजेक्ट में आ रही बाधा का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने स्थायी समाधान के लिए मुख्य सचिव को सेतु निगम के साथ बैठक करने के निर्देश भी दिए।मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन राज्य विश्वविद्यालयों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा युवाओं को गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा की उपलब्धता के लिए सरकार कई विश्वविद्यालय खोल रही है। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर, मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ जैसे निमार्णाधीन प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य में बदलाव लाने वाले होंगे।

'राई का ताजिया' हिंदू-मुस्लिम करते हैं इबादत

झांसी: मुहर्रम के पवित्र महीने में देश और प्रदेश में कई ताजिए बनाए जाते हैं. आम तौर पर ताजिया चमकीली पॉलीथिन, थर्माकोल या कपड़े से तैयार किया जाता है, लेकिन झांसी में एक अनोखा ताजिया बनाया जाता है. यह ताजिया राई के दानों से तैयार किया जाता है. झांसी शहर के नरिया चौराहे के पास यह ताजिया रखा जाता है. इस ताजिया को पहली बार लगभग 250 वर्षों पहले बनाया गया था. बुंदेला राजाओं के जमाने से यह ताजिया बनता आ रहा है.

वर्तमान समय में इस ताजिया को बनाने वाले मोहम्मद

रमजानी बताते हैं कि लगभग 250 सालों पहले उनके पूर्वजों ने पहली बार यह ताजिया बनाया था.उन्होंने कहा कि ऐसा ताजिया आस पास के 7 जिलों में और कहीं नहीं बनाया जाता है. उन्होंने बताया कि उनका पूरा परिवार ग्वालियर से खासतौर पर इस ताजिया को तैयार करने के लिए ही झांसी आता है. रमजानी अपने पोतों के साथ यहां ताजिया बनाने आते हैं.

10 दिन में होता है तैयार

रमजानी ने बताया कि सबसे पहले लकड़ी का एक ढांचा तैयार किया जाता है. उसके बाद उस पर कपड़ा लगाया जाता है. कपड़े के ऊपर रुई बिछाई जाती है

. इस रुई पर राई के दाने बिछाए जाते हैं. उन पर पानी छिड़का जाता है. 24 घंटे में राई की कोपल खिल जाती हैं. इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें कुल 10 दिन लगते हैं. उन्होंने बताया कि हिंदू व मुसलमान सभी यहां इबादत करने आते हैं.

जन्माष्टमी पर यूपी सरकार देगी बड़ा तोहफा, मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं को फ्री में भोजन कराएगी अन्नपूर्णा कैंटीन

लखनऊ : उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा निर्मित अन्नपूर्णा भवन का निर्माण करीब 4.89 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह दो मंजिला अन्नपूर्णा भवन करीब 2300 स्क्वायर मीटर में बनाया गया है। इसमें दो भोजनालय बनाए गए हैं। एक भूतल पर और एक प्रथम तल पर। दोनों ही भोजनालय वातानुकूलित बनाए गए हैं। दोनों भोजनालय में एक बार में दो-दो सौ लोग भोजन कर सकते हैं। इस भोजनालय में करीब 5000 लोगों को प्रतिदिन निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था की गई है। अन्नपूर्णा भवन में लिफ्ट की सुविधा भी रहेगी। भोजन बनाने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त रसोई घर का निर्माण किया गया है। इसमें स्टेनलेस स्टील की दो रोटी मेकिंग मशीन लगी है, जिसकी क्षमता 500 से 700 रोटी प्रति घंटा बनाने की है। इसके अलावा दो आटा गूंथने की मशीनें, दो लोई बनाने की मशीनें, एक आलू छीलने की मशीन के साथ ही एक सब्जी काटने की मशीन के अलावा मसाला पीसने के लिए ग्राइंडर और खाना परोसने के लिए दो हजार बर्तन की सेट उपलब्ध हैं।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

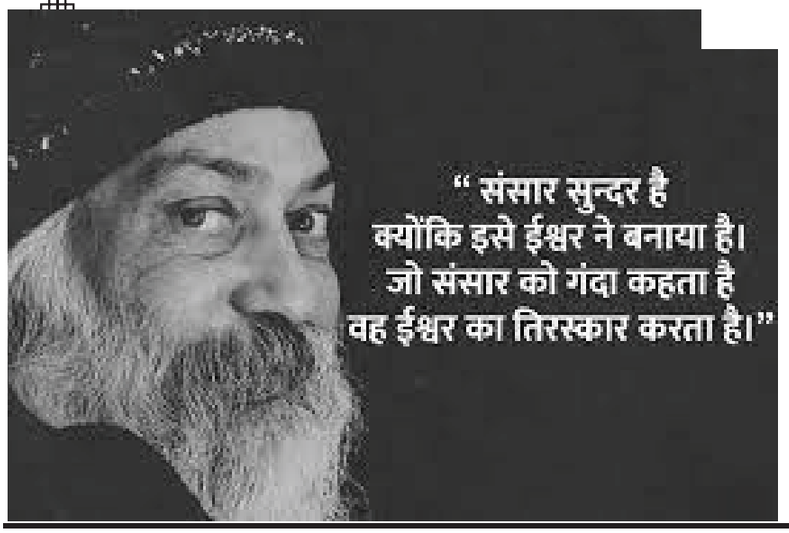

उस पत्ते में हमें पूरे वृक्ष की खबर मिली है। उस मिट्टी में हमने सारे आकाश को देखा है। हम किसी को कह भी नहीं सकते, समझा भी नहीं सकते। इसलिए शिष्य की बड़ी सुविधा है। शिष्य अपने गुरु के संबंध में किसी को कुछ नहीं समझा सकता। क्योंकि जो उसने देखा है, वह उसने देखा है। समझाने का कोई उपाय नहीं है। प्रमाण देने का कोई मार्ग नहीं है। कौन प्रेमी अपनी प्रेयसी के संबंध में समझा पता है? तुम लाख कहो कि तुम्हारी प्रेयसी विश्व सुंदरी होने के योग्य है, कोई सुनता नहीं। विश्व सुंदरियों के चित्र छपते हैं, तुम देखते हो, तुम ऐसा फेंक देते हो, कि कुछ नहीं; मेरी पत्नी के मुकाबिले क्या? या मेरी प्रेयसी के मुकाबिल क्या? और पड़ोसी विचार में पड़ते हैं, कि तुम इस स्त्री के पीछे दीवाने क्यों हो? क्या देख लिया तुमने? दिमाग खराब हो गया? माथा बिगड़ गया है? सम्मोहित हो? उस स्त्री ने कुछ खिला-पिला दिया? **जारी...**

पैर के तलवों में तेल लगाने से मिलते हैं ये 5 फायदे

थकान, चिंता और तनाव जैसी समस्याओं को जब दूर करने की बात आती है, तो तेल से शरीर की मालिश करने से बहुत फायदा मिलता है। सिर की मालिश करने से सिरदर्द दूर होता है, वहीं अगर शरीर के अंगों की मालिश करते हैं तो उनमें भी ब्लड सकुर्लेशन को बेहतर बनाने के साथ ही कई लाभ मिलते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, पैर के तलवों में तेल लगाना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है? पैर और पैर के तलवों में तेल लगाने और थोड़ा मालिश करने से सेहत को अद्भुत फायदे मिलते हैं। लेकिन

बहुत से लोग इस बात को लेकर काफी असमंजस में रहते हैं, कि पैर के तलवों में लगाने के लिए कौन सा तेल बेस्ट है? या मालिश के लिए कौन सा तेल अच्छा है? चिंता न करें, इसमें आपकी मदद करने के लिए हम यहां है। इस लेख में हम आपको पैर के तलवों में तेल लगाने के फायदे और मालिश के लिए बेस्ट तेल बता रहे हैं फटी एड़ियों से छुटकारा मिलता हैः अगर आप नियमित रूप से पैर के तलवों में तेल लगाते हैं तो इससे फटी एड़ियां, दरारें ठीक करने में मदद मिलती है। यह आपको कोमल मुलायम पैर पाने में मदद करता है। एड़ियों की सूजन और दर्द कम करने में भी मदद करात है।

दबी नसें खुलती हैंः पैर के तलवों में तेल लगाने और मालिश करने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है, जिससे पैर की दबी नसें खोलने में मदद मिलती है। इससे नसों में दर्द की समस्या भी नहीं होती है।

जोड़ों में दर्द की समस्या दूर होती हैः पैर के टखनों और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए पैर और तलवों में तेल लगाकर मालिश करना बहुत लाभकारी है। इससे जोड़ों में दर्द और जकड़न से छुटाकारा मिलता है। तनाव और चिंता कम होती हैः चिंता और तनाव जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए पैर के तलवों में तेल लगाना एक प्रभावी उपाय है। अगर आप तेल लगाकर हल्के हाथ से मालिश करते हैं, तो आप शांत महसूस करते हैं।

नींद अच्छी आती हैः रात में सोने से पहले पैर के तलवों में तेल लगाने से नींद न आने, बेचैन नींद और नींद के दौरान बार-बार आंख खुलने की समस्या दूर होती है।

यह आपको जल्दी सोने और गहरी नींद लेने में मदद करता है। पैर के तलवों की मालिश के लिए पैर के तलवों की मालिश के लिए आप सरसों और नारियल तेल का प्रयोग कर सकते हैं। साथ ही आप पैर के तलवों में देसी घी भी लगा सकते हैं। इससे भी सेहत को जबरदस्त फायदे मिलते हैं।

सूरज पंचोली को लेकर जिया खान की मां ने किए बड़े खुलासे

नई दिल्लीः एक्ट्रेस जिया खान का साल 2013 में निधन हो गया था। 25 साल की जिया खान ने सुसाइड किया था या उनका मर्डर हुआ था, ये गुत्थी अब तक नहीं सुलझ पाई है। जिया खान के निधन के बाद उनकी मां राबिया खान ने सूरज पंचोली पर कई आरोप लगाए थे। इस केस में सूरज पंचोली कुछ समय तक जेल में भी रहकर आए थे। अब 9 साल के बाद एक बार फिर से जिया खान के केस में उनकी मां राबिया खान ने अपना बयान दर्ज करवाते हुए कहा है कि सूरज पंचोली उनकी बेटी जिया खान को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। जिया खान केस में सूरज पंचोली पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया गया है।जिया खान की मां राबिया खान ने विशेष न्यायाधीश ए एस सैयद के सामने बुधवार को जिया खान के केस में अपना बयान दर्ज करवाई है। जिसमें उन्होंने कोर्ट को बताया कि कैसे उन्होंने अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत की थी, उनके नाम नफीसा से जिया खान बनने और राम गोपाल वर्मा से साल 2007 में मिलने के बारे में कोर्ट में बताया। सिर्फ यही नहीं उन्होंने बेटी जिया खान के साथ सूरज पंचोली के सम्बन्ध में भी बात की। राबिया खान ने बताया कि जिया खान से सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया था और उनसे मिलने के लिए दबाव डाला था। इतना ही नहीं राबिया खान ने ये भी बताया कि शुरूआत में तो उनकी बेटी सूरज पंचोली से नहीं मिलना चाहती थी। पीटीआई में छपी रिपोर्ट्स के अनुसार जिया खान की मां ने अपने बयान में बताया कि जिया और सूरज पहली बार साल 2012 में मिले थे। राबिया खान ने कहा, ह्यउस समय पर मेरी बेटी ने मुझे कुछ तस्वीरें भेजी थी।

वारविकशायर के लिए अंतिम तीन काउंटी मैच खेलेंगे भारतीय तेज गेंदबाज मो. सिराज

नई दिल्ली: भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज सितंबर में वारविकशायर के लिए इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे। सिराज वारविकशायर के सत्र के अंतिम तीन प्रथम श्रेणी मैचों में मैदान में उतरेंगे। वह इस समय जिंबाब्वे में वनडे सीरीज खेल रहे हैं, लेकिन भारत की टी-20 टीम में नहीं हैं।वारविकशायर काउंटी क्लब ने कहा, ह्यहमने सिराज से काउंटी चैंपियनशिप सत्र के अंतिम तीन मैचों के लिए करार किया। 28 साल का यह खिलाड़ी 12 सितंबर (सोमवार) को समरसेट के विरुद्ध घरेलू मैच से पहले एजबेस्टन में पहुंच जाएगा।ह्ल दायें हाथ के तेज गेंदबाज ने जुलाई में एजबेस्टन में भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में 66 रन देकर चार विकेट झटके थे। इसके बाद उन्होंने तीन वनडे मैचों में छह विकेट चटकाए थे।

सिराज भारत के लिए सभी प्रारूपों में 27 मैचों में 57 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने कहा, ह्यमैं वारविकशायर (बीयर्स टीम) से जुड़ने के लिए बेताब हूं। मुझे हमेशा भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड में खेलने में मजा आया है और मैं काउंटी क्रिकेट का अनुभव हासिल करने के लिए उत्साहित हूं। एजबेस्टन विश्वस्तरीय स्टेडियम है और इस साल टेस्ट के लिए वहां जो माहौल था, वो काफी विशेष था। मैं सितंबर में खेलने के लिए उत्साहित हूं और आशा करता हूं कि टीम को सत्र का समापन अच्छी तरह करने में मदद करूंगा। सिराज इस सत्र में वारविकशायर का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रुणाल पांड्या ने रायल लंदन कप वनडे चैंपियनशिप के लिए क्लब से करार किया था। आपको बता दें कि इस वक्त सिराज जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रहे हैं और उन्होंने इस टीम के खिलाफ पहले मैच में 8 ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। भारतीय टीम को पहले मैच में मेजबान टीम के खिलाफ 10 विकेट से जीत मिली।

भारतीय टीम के दौरे से जिंबाब्वे बोर्ड की बल्ले-बल्ले, इतने करोड़ रुपये की होगी कमाई

नई दिल्ली। भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए जिंबाब्वे दौरे पर है। जिंबाब्वे क्रिकेट के लिए इस सीरीज का महत्व अधिक है, क्योंकि उसे आर्थिक रूप से भारत की मेजबानी करने से काफी फायदा पहुंच रहा है।

जिंबाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंगवा मुकुहलानी ने दैनिक जागरण को बताया कि हरारे में चल रही इस सीमित ओवर की सीरीज से उनके क्रिकेट बोर्ड को तीन मिलियन डालर (करीब 24 करोड़ रुपये) के आसपास की कमाई होने की आशा है। अगर जिंबाब्वे मुद्रा की बात करें तो यह आंकड़ा करीब 96 करोड़ रुपये बैठेगा। जिंबाब्वे के आर्थिक हालात काफी खराब हैं और इसका असर उसके क्रिकेट बोर्ड पर भी पड़ा है। यह पूछे जाने पर कि जिंबाब्वे क्रिकेट को भारत के मौजूदा दौरे से आर्थिक रूप से कितना फायदा पहुंचेगा, मुकुहलानी ने कहा, ह्यहह वनडे मैचों की सीरीज है जिस कारण हमें तीन मिलियन अमेरिकी डालर के आसपास की कमाई की आशा है। इसके अलावा हमें आशा है कि सभी मैचों में ग्राउंड दर्शकों से भरे रहेंगे।

धवन और गिल ने हरारे में जारी रखा अपना फॉर्म, पिछले 4 वनडे मैचों में 3 बार की शतकीय साझेदारी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है। इस मैच में भारतीय टीम की तरफ से ओपनिंग बल्लेबाजी करने के लिए शिखर धवन और शुभमन गिल आए। हालांकि माना जा रहा था कि गिल की जगह केएल राहुल पारी की शुरूआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। धवन और गिल शानदार फॉर्म में थे और इन दोनों का ये अंदाज इस मैच में भी जारी रहा और दोनों ने पहले विकेट के लिए नाबाद 192 रन की साझेदारी करके भारत को 10 विकेट से जीत दिला दी।

शिखर धवन और शुभमन गिल ने चौथी बार वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम के लिए ओपनिंग की और इन मैचों में ये तीसरा मौका था जब दोनों ने टीम के लिए ओपनिंग शतकीय साझेदारी निभाई।

इस मैच में धवन ने नाबाद 81 रन की पारी खेली जबकि गिल ने नाबाद 82 रन की पारी खेली और टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। भारत ने जिन मैचों में 10 विकेट से जीत दर्ज की है उसमें अगर ओपनिंग साझेदारी की बात करें तो ये दूसरी सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी।

दीपक चाहर ने 6 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में किया कमबैक, तोड़ डाली जिम्बाब्वे की कमर

नई दिल्ली: जिम्बाब्वे दौरे से टीम इंडिया के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखा जाए तो ये बहुत ही बड़ी खबर है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने 6 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में कमबैक किया है। दीपक चाहर का ये कमबैक शानदार रहा है, क्योंकि लगातार दो बार चोटिल होने की वजह से वे आईपीएल भी नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब उन्होंने दमदार खेल दिखाया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऐसे में सभी की निगाहें दीपक चाहर पर टिकी थीं, जो 20 फरवरी को आखिरी मैच खेले थे। एशिय कप 2022 के लिए रिजर्व के तौर पर चुने गए दीपक चाहर पहले दो ओवरों में थोड़े से साधारण नजर आए, लेकिन जैसे ही उनकी गेंद ने थोड़ी बहुत हरकत की तो उनका आत्मविश्वास जाग उठा और उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की। दीपक चाहर ने पहले स्पेल में कुल 7 ओवर फेंके और तीन अहम विकेट चटकाए। पहली सफलता दीपक चाहर को अपने चौथे ओवर में मिली, जबकि इसी ओवर में उनको दूसरा विकेट भी मिला। वहीं, तीसरी सफलता उनको अपने छठे ओवर में मिली।

दीपक चाहर पूरी तरह से लय में नजर आए। हालांकि, पहले एक-दो ओवर में ऐसा लगा कि क्रीज पर पैर सही तरीके से नहीं पड़ रहे, लेकिन इस असंमजस की स्थिति से वे जल्द ही निकल गए।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, दिल्ली से मुंबई तक चलाएंगे इलेक्ट्रिक बस

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वह दिल्ली से मुंबई के नरीमन प्वाइंट तक इलेक्ट्रिक बसें चलाना चाहते हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनियों को ऐसी लक्जरी बसें बनाने की सलाह भी दी है। गडकरी ने यह बात गुरुवार को मुंबई में डबल डेकर वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन करते हुए कही।गडकरी ने कहा कि मैंने इंग्लैंड में ऐसी इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल लिया है। ऐसी बसें दिल्ली-मुंबई के बीच बन रहे नए ग्रीन हाइवे पर भी चल सकती हैं। जो सीलिंक के जरिये सीधे नरीमन प्वाइंट तक आ सकती हैं। ऐसी इलेक्ट्रिक बसें ईंधन की दृष्टि से भी

सस्ती पड़ेगी, और इनसे प्रदूषण भी नहीं फैलेगा।

इलेक्ट्रिक बस की खासियत इस डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस 231 किलोवाट आवर की क्षमता की बैटरी दी गई है। बस में डुअल गन चार्जर प्रणाली इस्तेमाल की गई है। यह बस एक बार चार्ज होने के बाद 250 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। भारतीय वाहन निमार्ता कंपनी अशोक लेलैंड ने 1976 में मुंबई में डबल डेकर बसों की शुरूआत की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वाहनों के लिए वैकल्पिक ईंधन के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के आयात में कमी और प्रदूषण में कटौती के लिए इन वाहनों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। गडकरी ने कहा कि देश में 35 प्रतिशत प्रदूषण डीजल और पेट्रोल के कारण होता है, इसलिए हमें आयात मुक्त, किफायती, प्रदूषण रहित और स्वदेशी उत्पादों की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि डीजल वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन बहुत अधिक किफायती हैं। उन्होंने कहा, ह्यभारत में कच्चे तेल का आयात एक बड़ी चुनौती है। जिस तरह से दरें बढ़ाई जा रही हैं, हम इस चुनौती का पहले ही अनुभव कर रहे हैं।

आम आदमी के लिए भी यह बहुत मुश्किल है। गडकरी ने कहा कि वाहन क्षेत्र के लिए बिजली, एथनाल, मेथनाल, बायो-डीजल, बायो-सीएनजी, बायो-एलएनजी और हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल शुरू करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वाहन उद्योग का मौजूदा आकार 7.5 लाख करोड़ रुपये है और इसमें केंद्र तथा राज्य सरकारों को अधिकतम कर देने के साथ ही अधिकतम रोजगार देने की क्षमता है।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For
Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net